अवध की आवाज

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

www.avadhkaawaz.com

वर्ष–10 अंक–225 R.N.I.- UPHIN/2012/45127 लखनऊ रविवार 14 नवम्बर 2021 पृष्ठ – 8 मूल्य–3 रूपया

संक्षिप्त समाचार

अवध की आवाज ब्यूरो

सीतापुर। दिनांक 12.11.2021 को पुलिस अधीक्षक सीतापुर श्री आर.पी. सिंह द्वारा थाना कमलापुर व थाना सिधौली का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान दोनों थानों के महिला हेल्प डेस्क, थाना कार्यालय, मालखाना, कम्प्यूटर कार्यालय, थाना भोजनालय, आरक्षी बैरक के साथ सम्पूर्ण थाना परिसर को चेक किया गया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा स्वयं महिला हेल्प डेस्क पर शिकायतकर्ताओं द्वारा दिए गए प्रार्थना–पत्रों के निस्तारण का जरिए दूरभाष फीडबैक लिया गया। तत्पश्चात थाना कार्यालय के अभिलेखों को चेक कर उनके बेहतर रख–रखाव व उनको अद्यावधिक रखने, मालखाने को चेक कर उसमें दाखिल माल के निस्तारण व उचित रख–रखाव के सम्बन्ध में सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये।

उ0प्र0 प्राधिकरण डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ के प्रान्तीय अध्यक्ष डीएन सिंह व रवि शंकर राय महासचिव निर्वाचित

लखनऊ।–उत्तर प्रदेश विकास प्राधिकरण डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ के संम्पन्न हुए प्रान्तीय चुनाव में लखनऊ विकास प्राधिकरण मे तैनात अवर अभियन्ता रवि शंकर राय महासचिव इलाहाबाद विकास प्राधिकरण मे तैनात डीएन सिंह प्रान्तीय अध्यक्ष पद पर विजई हुए। वही उपाध्यक्ष पद पर भानू प्रताप वर्मा, उपाध्यक्ष द्वितीय पद पर उदयवीर सिंह ने विजय प्राप्त की गयी।

107 साल बाद कनाडा से वापस आई मां अन्नपूर्णा देवी की मूर्ति

उन्नाव। 107 साल बाद कनाडा से वापस आई मां अन्नपूर्णा देवी की मूर्ति 107 साल पहले अंग्रेजो ने बनारस से मां अन्नपूर्णा देवी की मूर्ति चुरा कर कनाडा ले गए थे लेकिन 107 साल बाद भारत की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के अथक प्रयास के बाद मां अन्नपूर्णा देवी की मूर्ति फिर से वाराणसी में स्थापित की जाएगी। मां देवी अन्नपूर्णा की अद्भुत मूर्ति दिल्ली से कानपुर कानपुर से उन्नाव जिले से लखनऊ और लखनऊ से बनारस के लिए जाएगी।मां अन्नपूर्णा देवी के दर्शन करने के लिए लाखों श्रद्धालु माता रानी का जगह जगह खड़े होकर इंतजार किया और मां भगवती के दर्शन भी किए। कानपुर से गंगा बैराज पर मां भगवती की सेवा करते हुए कानून मंत्री बृजेश पाठक उन्नाव सदर विधायक पंकज गुप्ता सफीपुर विधायक बंबा लाल दिवाकर जिला पंचायत अध्यक्ष शकुन सिंह आशीष बाजपेई शुक्लागंज से कैप्टन राहुल तिवारी के साथ हजारों की संख्या में भक्तों ने मां अन्नपूर्णा देवी के दर्शन किए। मां अन्नपूर्णा की यात्रा में थोड़ा सा ट्राफिक में भी जाम की स्थिति देखने को मिली थोड़ा सा ट्राफिक प्रशासन ध्यान पहले से रखता तो हजारों की संख्या में जो गाड़ियां जाम में फंसी थी वह गाड़ीया जाम में ना फसी होती क्योंकि प्रशासन को भली भात यह ज्ञात था की इस यात्रा में भारी जनसैलाब होगा इसके चलते एक साइड फ्री रखते तो यह जान की स्थिति ना आती

स्टीकर से पहचाने जाएंगे , टीका लगवा चुके परिवार

कोविड टीका लगवा चुके परिवार वालों के घर बाहर लगेगा स्टीकर केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडवीय ने लखनऊ का किया दौरा

केन्द्रीय मंत्री हर घर दस्तक अभियान के तहत पहुंचे नटकुर गांव, टीका लगवाने की अपील की

अवध की आवाज ब्यूरो

लखनऊ। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री मनसुख मंडवीय ने लखनऊ दौरे में कोविड टीकाकरण की गतिविधियों और उपलब्धियों का बारीकी से निरीक्षण किया। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि अब जो परिवार कोविड टीका से पूर्ण प्रतिरक्षित हो गए हैं उनके घर के बाहर एक स्टीकर लगाया जाएगा। स्टीकर पर लिखा जाएगा कि यह परिवार कोविड टीका से पूर्ण प्रतिरक्षित है। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री शुक्रवार को एक दिवसीय दौरे पर लखनऊ पहुंचे थे। केन्द्रीय मंत्री मनसुख मंडवीय ने कहा कि प्रदेश में कोविड टीकाकरण का कार्य सुचारु रूप से चल रहा है। लक्ष्य को समय से प्राप्त करने के लिए भारत सरकार की ओर से घर–घर दस्तक अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान को प्रोत्साहित करने के लिए केन्द्रीय मंत्री स्वयं सरोजनीनगर ब्लाक के नटकुर गांव पहुंचे। अभियान में हिस्सा लेते हुए मंत्री ने नटकुर गांव की 24 वर्षीय सविता के घर दस्तक दी और कोविड टीका लगवाने की अपील की। इसके बाद सविता ने टीका लगवाने की सहमति जताई। केन्द्रीय मंत्री ने आमजन से अपील भी की है कि लोग इस अभियान का हिस्सा बनें और लोगों को कोविड टीका से शतप्रतिशत प्रतिरक्षित होने के लिए प्रोत्साहित करें। मंत्री ने बूथ पर जाकर टीका की दोनों डोज और पहली डोज से प्रतिरक्षित लोगों का आंकड़ा लिया। केन्द्रीय मंत्री के दौरे के दौरान कोरोना टीकाकरण को प्रोत्साहित करने के लिए सेंटर फॉर एडवोकेसी एंड रिसर्च (सीफार) संस्था के सहयोग से एक नुक्कड़ नाटक भी हुआ। स्वास्थ्य मंत्री जय प्रताप सिंह, मंत्री स्वाति सिंह, अपर मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद, एमडी एनएचएम अपर्णा उपाध्याय और टीकाकरण महाप्रबंधक डॉ मनोज शुकुल, जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ एम के सिंह मौजूद रहे। अपर मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि कोविड संक्रमण अभी

पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। इसलिए टीका लगवाने के बाद भी कोविड प्रोटोकाल का लगातार अपनाते रहें। उन्होंने बताया कि हालांकि प्रदेश के अधिकांश जिलों में फिलहाल कोविड का कोई भी मरीज नहीं है। राज्य टीकाकरण अधिकारी डॉ अजय घई ने बताया कि प्रदेश में कोविड टीकाकरण का कार्य प्रगति पर है और करीब 14 करोड़ डोज दी जा चुकी है। इसमें 10 करोड़ से अधिक लोगों को कोविड वैक्सीन की पहली डोज दी और साढ़े तीन करोड़ से अधिक लोगों को दूसरी डोज लगाई जा चुकी है। प्रदेश में कोविड हेल्पलाइन 18001805145 पूर्ण रूप काम रही है। कोविड संबंधी समस्या आने पर किसी भी समय इस टोलफ्री नंबर से मदद ली जा सकती है। लखनऊ के सीएमओ डॉ मनोज अग्रवाल ने बताया लखनऊ जिले में करीब साढ़े 47 लाख डोज लगाई जा चुकी हैं। इसमें 31 लाख 58 हजार से अधिक लोगों को कोविड वैक्सीन की पहली डोज और करीब 15 लाख 91 हजार लोगों को दूसरी डोज लगाई गई है। उन्होंने बताया जिले में कोविड टीका से छूटे हुए लोगों का अब दस्तक अभियान के तहत भी प्रतिरक्षित किया जा रहा है।

टीका लगवाने आए 105 वर्षीय लाभार्थी

नटकुर निवासी 105 वर्षीय मंगल कोरोना का पहला टीका लगवाने आए। मंगल ने बताया कि 6 माह से मेरा घर बन रहा था इसलिए टीका नहीं लगवा पा रहा था। कल एएनएम घर आई और आज के टीकाकरण कार्यक्रम के बारे में बताया। हमारे बेटे और पोते ने भी टीका लगवाने पर जोर दिया तो आज हमने पहला टीका लगवा लिया है। वहीं 25 वर्षीय स्वाति कश्यप छह माह की गर्भवती हैं और उन्होंने अपना पहला टीका लगवाया। स्वाति ने बताया कि वह टीका लगवाने को लेकर बहुत डरी हुई थी। आशा दीदी ने बताया कि गर्भवती भी टीका लगवा सकती है और यह टीका गर्भवतियों के लिए पूरी तरह सुरक्षित है। इसलिए अभी मैं निश्चित हूं।

नटकुर में 95 % टीकाकरण

सरोजनीनगर सीएचसी के चिकित्सा प्रभारी डॉ अंशुमान श्रीवास्तव ने कहा कि नटकुर में कोरोना टीककरण को लेकर लोग जागरूक हैं और यहां 95 प्रतिशत टीकाकरण हो चुका है। शेष 5 प्रतिशत लोगों में दुविधा व आशंकाएं हैं वह हम दस्तक अभियान के तहत दूर करने का प्रयास कर रहे हैं। डॉ अंशुमान ने बताया कि टीकाकरण का ग्राफ बढ़ाने में ग्राम प्रधान सावित्री देवी ने भी काफी सहयोग किया। अब तक गांव में कोरोना टीकाकरण के सात शिविर लगाए जा चुके हैं।

स्वास्थ शिक्षा सूचना अधिकारी लाल बहादुर यादव ने मॉकड्रिल के कार्य का अवलोकन एवं अनुश्रवण किया गया

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। संयुक्त सचिव उत्तर प्रदेश शासन चिकित्सा अनुभाग 5 लखनऊ द्वारा दिए गए निर्देश के क्रम में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बांगरमऊ में ऑक्सीजन प्लांट, पीकू वार्ड में कोबिड की संभावित तीसरी लहर व बच्चों में कोविड संक्रमण से बचाव के प्रबंधन की तैयारियों, पीकू वार्ड, ऑक्सीजन प्लांट की क्रियाशीलता, विद्युत आपूर्ति,जनरेटर की क्रियाशीलता,दवाओं की उपलब्धता आदि का नोडल अधिकारी डॉक्टर अर्जुन सिंह सारंग ने देखा तथा उनकी निगरानी में मॉकड्रिल संपन्न कराया गया। इस अवसर पर जिला स्वास्थ शिक्षा सूचना अधिकारी लाल बहादुर यादव उपस्थित रहे। मॉकड्रिल के कार्य का अवलोकन एवं अनुश्रवण किया गया। मॉकड्रिल में अधीक्षक ड्रा मुकेश कुमार, डॉ दिलीप कुमार, डॉ सागर सिंह, डॉ अशोक कुमार, स्टाफ नर्स प्रतिभा, सर्वेश्वरी, सरिता देवी, वार्ड ब्वाय सागर कुमार, शिवाधार, स्वीपर बबलू व तथा 108 एंबुलेंस के साथ तैयारियों के संबंध में रिस्पांस टाइम दस मिनट में मॉकड्रिल संपन्न कराया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बांगरमऊ में कुल 20 डी टाइप ऑक्सीजन सिलेंडर जिसमे मैनीफोल्ड में 10 डी टाइप भरे ऑक्सीजन,क्रियाशील 20 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर(5 लीटर के क्षमता) उपलब्ध पाए गए। पीकू वार्ड हेतु प्रशिक्षित स्टाफ में 6 चिकित्सक, 6 स्टाफ नर्स, सफाई कर्मचारी, वार्ड बॉय के बारे में जानकारी की गई। अधीक्षक ड्रा मुकेश कुमार ने बताया कि सभी स्टाफ पूरी तरह से प्रशिक्षित हैं। ऑक्सीजन प्लांट संचालन की जिम्मेदारी प्रेमचंद फार्मासिस्ट व नरेश कुमार डार्क रूम सहायक से ऑक्सीजन प्लांट चलवा कर ऑक्सीजन आपूर्ति को देखा गया। ऑक्सीजन प्लांट से पीकू वार्ड तक सतत ऑक्सीजन की आपूर्ति पाई गई। अधीक्षक डॉ मुकेश कुमार ने बताया कि कोविड संक्रमण से बचाव की सभी तैयारियां पूरी है।

ब्लॉक कुठौंद में मनरेगा के तहत चयनित महिला मेट को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए दिया गया प्रशिक्षण

अवध की आवाज ब्यूरो

माधौगढ जालौन। विकासखंड कुठौंद में महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना के तहत ब्लॉक परिसर में वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए विकासखंड की ग्राम पंचायतों में चयनित महिला मेट को प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें सभी महिला मेट को प्रशिक्षण के दौरान जानकारी दी गई कि इस कार्य को करने के लिए अपने मोबाइल फोन में अस्मिता ऐप डाउनलोड करके ग्राम पंचायत के अंतर्गत हो रहे मनरेगा के तहत कार्य को अपलोड कर रिपोर्ट प्रस्तुत करनी है। वीडियो कांफ्रेंसिंग के दौरान मौजूद विकासखंड के एडीओ आईएसबी अखिलेश शर्मा एनआरएलएम के प्रभारी रवि यादव मनरेगा सेल के कंप्यूटर ऑपरेटर अमित कुमार तथा मनरेगा के ब्लॉक कोऑर्डिनेटर दीपक कुमार द्विवेदी आदि लोग इस वीडियो कांफ्रेंसिंग के दौरान मौजूद रहे। शासन द्वारा इस कदम को उठाने का बहुत ही सराहनीय कार्य बताया गया ताकि महिलाओं में जागरूकता दौड़े और महिलाएं अपने सहभागिता के तहत ग्राम पंचायत के अंदर अपना विशेष कार्य का दायित्व निर्वाहन करेंगी।

हेल्पलाईन नं0 9451167918

प्रदेश अध्यक्ष

पत्रकार सुरक्षा महासमिति

संपादक

अवध की आवाज

हिंदी दैनिक समाचार पत्र लखनऊ

की ओर से

उत्तर प्रदेश विकास प्राधिकाण डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ के सभी विजयी प्रत्याशियों अवर अभियन्ता रवि प्रकाश राय महासचिव पद पर, इलाहाबाद से डीएन सिंह प्रान्तीय अध्यक्ष पद पर, उपाध्यक्ष पद पर भानू प्रताप वर्मा,उपाध्यक्ष द्वितीय पद पर उदयवीर सिंह को हार्दिक शुभकामनाऐं।

जिलाधिकारी/पुलिस अधीक्षक गोंडा ने थाना समाधान दिवस के अवसर पर थाना करनैलगंज में की जनसुनवाई, प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण करने के दिए निर्देश

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। दिनांक 13.11.2021 को थाना समाधान दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी श्री मारकण्डेय शाही व पुलिस अधीक्षक गोण्डा संतोष कुमार मिश्रा ने थाना करनैलगंज में जनसुनवाई की। जनसुनवाई के दौरान कुल 31 शिकायती प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए जिनमें से 07 प्रार्थना पत्रो का मौके पर ही निस्तारण कराया गया शेष 24 प्रकरणों मे राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीम बनाकर मामले के निस्तारण हेतु मौके पर रवाना किया गया। जनसुनवाई के दौरान पुलिस अधीक्षक ने थाना कार्यालय के रजिस्टरों को चेकिंग की जिसमें रिकार्डो को अद्यतन करने, शिकायती प्रार्थना पत्रो का सम्बन्धित रजिस्टर में अंकन करने, फरियादियों की समस्याओं को सुनकर उनका तत्काल निस्तारण करने का निर्देश दिया साथ ही उप निरीक्षकों के साथ मीटिंग कर IGRS/जनशिकायती प्रार्थना पत्रों का आवेदक की संतुष्टि को प्राथमिकता देते हुए समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के निर्देश दिये।

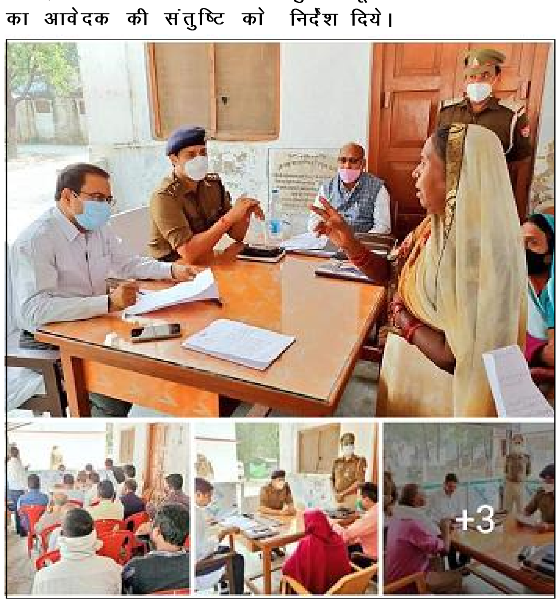

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। शनिवार को भगवंत नगर विधानसभा क्षेत्र नेशनल हाईवे रोड के पास गहरा गांव मैं भाजपा नेता अरुण कुमार दीक्षित पहुंच कर सभी गांव वालों से शिष्टाचार भेंट करके हालचाल लिया गहरा गांव में एक रास्ता को लेकर लोगों ने अवगत कराया श्री दीक्षित जी ने तुरंत प्रधान से कहकर बस 10–15 दिन में रास्ता बनवाने के लिए बोला फिर उसके बाद गांव में बने प्राइमरी स्कूल पहुंचे वहां हो रहे काम को देखा जानकारी लेते हुए कुछ बिंदुओं पर सरकार के मनसा रूप कार्य करने को कहा गहरा गांव में जैसे ही पहुंचे विधानसभा अध्यक्ष के पुत्र अरुण कुमार दीक्षित पूरा गांव एकत्रित होकर यथोचित शिष्टाचार किया।

पूर्वांचल बना सियासी कुरुक्षेत्र, शाह सपा के गढ़ में, अखिलेश गोरखपुर में भरेंगे चुनावी हुंकार

आजमगढ़, (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर एक बार पूर्वांचल फिर सियासी कुरुक्षेत्र बन गया है। गृहमंत्री अमित शाह आज सपा का गढ़ कहे जाने वाले आजमगढ़ में राजकीय कॉलेज का शिलान्यास करने के साथ ही जनसभा को भी संबोधित करेंगे। इसके बाद अमित शाह बस्ती में आयोजित कार्यक्रम में भी हिस्सा लेंगे। शाह कार्यक्रम में सांसद खेल कुंभ का उद्घाटन करने के बाद खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों को संबोधित करेंगे। वहीं समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव की समाजवादी विजय यात्रा का तीसरा चरण पूर्वांचल में आयोजित होगा। अखिलेश 13 नवंबर को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गृह जनपद गोरखपुर से रथयात्रा निकालेंगे। यह रथयात्रा गोरखपुर से कुशीनगर जाएगी। इसके जरिए अखिलेश यादव पूर्वांचल में अपनी पार्टी की तरफ जनता को आकर्षित करने की कोशिश करेंगे। अखिलेश यादव ने 12 अक्टूबर को रथयात्रा कानपुर से शुरू की थी और बुंदेलखंड का दौरा किया था। इस बीच अखिलेश यादव पश्चिमी यूपी में भी अपना ध्यान केंद्रित किए हुए है। वहीं भारतीय जनता पार्टी 2022 में सत्ता दोहराने के लिए पूर्वांचल पर पूरा जोर लगा रही है। यही कारण है कि प्रधानमंत्री मोदी भी पूर्वांचल के कई दौरे कर चुके है। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी ताबड़तोड़ पूर्वांचल के जिलों में ही दौरे और कार्यक्रम किए है। अब गृहमंत्री अमित शाह भी बाबा विश्वनाथ की नगरी में सत्ता में वापसी को लेकर चुनावी मंथन में डटे हैं। शाह के हालिया लखनऊ दौरे के बाद भाजपा ने सभी क्षेत्रों में मंडल प्रभारियों और संयोजकों की बैठकें की हैं। यूपी विधानसभा चुनाव के चलते गृहमंत्री अमित शाह दो दिवसीय दौरे पर हैं। इसी कड़ी में अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को आजमगढ़ पहुंचेंगे। जहां राजकीय कॉलेज का शिलान्यास करेंगे। इसके बाद अमित शाह जनसभा को संबोधित करेंगे। जनसभा को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। गृहमंत्री अमित शाह आजमगढ़ में रैली को संबोधित करने के बाद बस्ती जाएंगे। गृहमंत्री शुक्रवार देर शाम से वाराणसी में हैं। वहां पर शनिवार को श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन–पूजन के बाद उन्होंने दो दिवसीय राजभाषा सम्मेलन का शुभारंभ किया।

सम्पादकीय

बच्चों को कैसा साहित्य परोस रहे हैं हम?

जब भी हम बच्चों के बारे में कोई कल्पना करते हैं तो सामान्य रूप से एक हंसते–खिलखिलाते बच्चे का चित्र हमारे मन–मस्तिष्क में उभरता है लेकिन कुछ समय से बच्चों की यह हंसी, खिलखिलाहट और चुलबुलापन जैसे भारी–भरकम स्कूली बस्तों के बोझ तले दबता जा रहा है।

पहले बच्चों का अधिकांश समय आउटडोर गेम्स अथवा एक्टिविटीज में ही बीतता था, हमउम्र बच्चों के बीच खेलकर उनका मानसिक एवं शारीरिक विकास भी तेजी से होता था लेकिन अब बच्चों के खेल घर की चारदीवारी में ही सिमटकर रह गए हैं। कोरोना महामारी के कारण लंबे समय से बंद स्कूलों ने तो बच्चों के मन–मस्तिष्क पर काफी बुरा असर डाला है। ऑनलाइन पढ़ाई के कारण अधिकांश बच्चे सारा समय घर की चारदीवारी में कैद होने के कारण अब टीवी और मोबाइल फोन के आदी हो गए हैं। नतीजा, इंटरनेट पर ऊलजलूल कार्यक्रम देखकर और हिंसात्मक गेम खेलकर बच्चों में हिंसात्मक व्यवहार और आक्रामकता बढ़ रही है। तरह–तरह की बीमारियां भी बचपन में ही बच्चों को अपनी चपेट में लेने लगी हैं।

जहां तक बच्चों के प्रति हमारे समाज की जिम्मेदारियों की बात है तो बाल साहित्य का मामला हो या बाल फिल्मों का, हमारे यहां बच्चे सदैव ही उपेक्षित रहे हैं। प्रेम कहानियों और भूत–प्रेतों पर आधारित फिल्मों की तो हमारे यहां भरमार रहती है लेकिन कोई भी फिल्मकार अपने देश की बगिया के इन महकते फूलों की सुध लेना जरूरी नहीं समझता। जहां 'होम अलोन', 'चिकन रन' और 'हैरी पॉटर' जैसी विदेशी बाल फिल्में विदेशों के साथ–साथ भारतीय बच्चों द्वारा भी बहुत पसंद की जाती रही हैं, वहीं हमारे यहां ऐसी फिल्मों का सर्वथा अभाव रहता है, जिनसे बच्चों का स्वस्थ मनोरंजन हो और उन्हें एक नई प्रेरणा एवं दिशा मिल सके। प्रेमकथा पर आधारित या हिंसा और अश्लीलता से भरपूर फिल्में बनाकर मोटा मुनाफा कमा लेने की प्रवश्त्ति ने ही अधिकांश फिल्मकारों को बाल फिल्में बनाने की दिशा में निरुत्साहित किया है।

कुछ ऐसा ही हाल बाल साहित्य के मामले में भी है। बच्चों के मानसिक और व्यक्तित्व विकास में बाल साहित्य की बहुत अहम भूमिका होती है। बच्चों में आज नैतिक मूल्यों का जो अभाव देखा जा रहा है, उस अभाव को प्रेरणादायक बाल साहित्य के जरिये आसानी से भरा जा सकता है किन्तु अगर कोई बच्चा आज स्कूली किताबों से अलग कुछ अच्छा साहित्य पढ़ना भी चाहे तो उसे समझ ही नहीं आता कि आखिर वह पढ़े तो क्या पढ़े क्योंकि बच्चों के लिए सार्थक, सकारात्मक और प्रेरक साहित्य की कमी अब बहुत अखरने लगी है। आज जो बाल साहित्य रचा जा रहा है, वह बाल मन, बाल समझ या बाल मानसिकता से काफी दूर नजर आता है। बच्चों के लिए ऐसे स्तरीय बाल साहित्य का सर्वथा अभाव खटकता है, जिसके जरिये बाल मन के सवालों के जवाब रचनात्मक साहित्य के जरिये बच्चों को रोचक तरीके से मिल सकें और वे अनायास ही ऐसे साहित्य की ओर उन्मुख होने लगें। ऐसे स्तरीय बाल साहित्य की कमी के भयावह दुष्परिणाम बच्चों में बड़ों के प्रति सम्मान की कम होती भावना और हिंसा की प्रवश्त्ति बढ़ते जाने के रूप में हमारे सामने आने भी लगे हैं।

विदेशी साहित्यकारों की 'हैरी पॉटर' जैसी किताबें, जो खासतौर से बच्चों को ही ध्यान में रखकर लिखे गए जादुई कारनामों की वजह से दुनियाभर के बच्चों को आकर्षित कर सकती हैं, भारतीय बच्चों को भी अपना दीवाना बनाने में सक्षम हो जाती हैं लेकिन हमारे यहां ऐसा बाल साहित्य न के बराबर ही देखने को मिलता है, जिसके प्रति बच्चे इतने उत्साह के साथ आकर्षित हो सकें। छोटे पर्दे पर प्रसारित हो रहे कार्टून चौनलों की बात करें तो अधिकांश कार्टून चौनल्स की कहानियां ऐसी होती हैं, जिनसे बच्चों को कोई अच्छी सीख मिलने के बजाय उनमें आक्रामकता की भावना ही विकसित होती है। मनोवैज्ञानिक डॉ. वंदना प्रकाश कहती हैं कि मारधाड़ वाली फिल्मों और विभिन्न टीवी चौनलों पर प्रसारित होने वाले कार्यक्रमों के साथ–साथ ऐसे कार्टून नेटवर्क भी बच्चों में आक्रामकता बढ़ाने में ही अहम भूमिका निभा रहे हैं। इसके अलावा माता–पिता के बीच आए दिन होने वाले झगड़े भी बच्चों का स्वभाव उद्दंड एवं आक्रामक बनाने के लिए खासतौर से जिम्मेदार होते हैं।

आज हम बच्चों के लिए कैसा बाल साहित्य परोस रहे हैं, इस बारे में एक वरिष्ठ बाल साहित्यकार कहते हैं कि आजकल बच्चों के लिए जो किताबें या पत्रिकाएं मिलती हैं, उनकी छपाई, सफाई और चित्रांकन तो बहुत सुंदर व आकर्षक होता है तथा ये पत्रिकाएं बहुधा रंगीन होती हैं, जिनके दाम भी बहुत ज्यादा नहीं होते लेकिन इनकी सामग्री उच्चस्तरीय नहीं होती। इन पत्रिकाओं में बाल पाठकों में नैतिक गुणों का विकास करने वाली सामग्री का अभाव अक्सर अखरता है। वह कहते हैं कि बच्चों के लिए छपने वाले अधिकांश सचित्र कॉमिक्स में प्रायः हास्य व्यंग्य से प्रसंग उपस्थित किए जाते हैं किन्तु ये प्रसंग बहुधा भौंडे किस्म के होते हैं। ये हमें हंसा तो देते हैं लेकिन संयत और अच्छे आचरण की ओर ले जाने वाले नहीं होते। एक उदाहरण देते हुए वह बताते हैं कि एक कॉमिक्स में चित्रांकन करके बताया गया है कि एक पंडित जी बाजार जा रहे हैं और एक दीवार पर कुछ शरारती बच्चे बैठे हैं, जो छतरी की डंडी या किसी तार से पंडितजी की चोटी को पकड़ने की कोशिश कर रहे हैं। यह दृश्य हंसाने के लिए तो उपयुक्त है किन्तु बाल पाठकों के मन में बड़ों के प्रति अनादर की भावना ही भरता है।

एक निजी स्कूल की प्रिंसिपल सुधा वर्मा कहती हैं कि कुछ वर्ष पहले तक माता–पिता इस बात का खास ध्यान रखते थे कि उनका बच्चा क्या पढ़ रहा है? उस समय बच्चों द्वारा उपन्यास पढ़ना तो बहुत ही बुरा माना जाता था। सजग माता–पिता तब इस बात का खासतौर से ध्यान रखते थे कि कहीं बच्चा लुक–छिपकर उपन्यास तो नहीं पढ़ रहा है? सुधा कहती हैं कि अब यह बात न तो माता–पिता देखते हैं और न ही शिक्षक कि बच्चा क्या पढ़ रहा है। एक कॉलेज प्रोफेसर के मुताबिक छोटी उम्र में ही बच्चों पर किताबों का बोझ अब इस कदर बढ़ गया है कि उन्हें अब पहले की भांति खेलने–कूदने के लिए भी पर्याप्त समय नहीं मिल पाता। बच्चों के लिए छपने वाली पत्रिकाओं के बारे में अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करते हुए वह कहते हैं कि अब बाजार में अधिकांश ऐसी पत्रिकाएं ही नजर आती हैं, जिनके प्रकाशकों का मूल उद्देश्य इनके जरिये सिर्फ पैसा कमाना ही दिखाई देता है, उन्हें इस बात की कोई परवाह नहीं कि इन पत्रिकाओं का बाल पाठकों के मनोमस्तिष्क पर कैसा प्रभाव पड़ रहा है? कुल मिलाकर देखा जाए तो बच्चों के प्रति हम व हमारा समाज सही तरीके से अपनी भूमिका का निर्वहन नहीं कर पा रहे हैं।

वैश्विक स्तर पर नरेंद्र मोदी की बढ़ती लोकप्रियता

–प्रमोद भार्गव–

एक के बाद एक एशियाई व पश्चिमी देशों की यात्राओं में मिली अप्रत्याशित सफलताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को वैश्विक नेता के रूप में उभारकर प्रतिष्ठित कर दिया है।

इस परिप्रेक्ष्य में अप्रूवल रेटिंग एजेंसी के सर्वे में मोदी की हैसियत बढ़ी है। जबकि अन्य राष्ट्र प्रमुखों की प्रसिद्धि में गिरावट आई है। मोदी ने विश्व के जिन नेताओं को पीछे छोड़ा है, उनमें अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन, जर्मनी की चांसलर एंजेला मर्केल, कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन टूडो समेत कई दिग्गज नेता शामिल हैं।

मोदी का प्रसिद्धि सूचकांक जहां 70 फीसदी रहा है, वहीं अन्य शीर्ष 13 वैश्विक नेताओं की प्रसिद्धि का ग्राफ 66 प्रतिशत से नीचे चला गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की लोकप्रियता बड़ी तेजी से घटी है। उन्हें 44 फीसदी लोगों ने पसंद करके सातवां स्थान दिया है। जबकि मेक्सिको के राष्ट्रपति आंद्रे मैनुएल लोपेज दूसरे, इटली के प्रधानमंत्री मारियो द्राघी तीसरे, जर्मनी की मर्केल चौथे, आस्ट्रेलिया के पीएम स्कॉट मॉरिसन, पांचवें और कनाडा के प्रधानमंत्री टूडो छठे स्थान पर रहे हैं। यह सर्वे द मॉर्निंग कंसल्ट ने किया है। यह सर्वे देश के वयस्क लोगों से साक्षात्कार के आधार पर किया जाता है।

कोरोना महामारी के कारण कई देशों और उनके नागरिकों की आर्थिक स्थिति बदहाल हुई है। दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला समश्द्ध देश अमेरिका भी इससे अछूता नहीं रहा। महामारी के चलते बड़े पैमाने पर लोगों ने रोजगार गंवाया और इसका असर यह हुआ कि अमेरिका में भूख की समस्या भयावह हो गई। अमेरिका की सबसे बड़ी भूख राहत संस्था 'फीडिंग अमेरिका' की रिपोर्ट के अनुसार दिसंबर–2021 के अंत में पांच करोड़ से ज्यादा लोग खाद्य संकट से जूझ रहे थे। यानी अमेरिका का प्रत्येक छठा व्यक्ति भूखा था। यही नहीं बालकों के मामले में स्थिति का और भी बुरा हाल था, प्रत्येक चौथा बच्चा भूखा रहने को मजबूर हुआ। फीडिंग अमेरिका नेटवर्क ने एक महीने में 54.8 करोड़ आहार के पैकेट बांटे, जिन्हें प्राप्त करने के लिए अमेरिका के उटा में कारों में बैठकर लोग लंबी कतारों में लगे रहे। अमेरिका से आया यह दृश्य अविश्वनीय जरूर लगता है, लेकिन हकीकत है। इधर भारत में अनाज का उत्पादन और भंडारण इतना बढ़ता जा रहा है कि वित्तीय वर्ष 2019–20 में खाद्य मंत्रालय को विदेश मंत्रालय से आग्रह करना पड़ा था कि दुनिया के कुछ ऐसे गरीब देश तलाशो, जिन्हें यह अनाज मुफ्त में बतौर मदद दिया जा सके, वरना इसे फेंकना पड़ेगा। इसीलिए जानी–मानी अंतरराष्ट्रीय मूल्यांकन संस्था डालबर्ग को एक अध्ययन के आधार पर कहना पड़ा था कि 97 प्रतिशत भारतीय मानते हैं कि चंद कमियों के बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार में भरोसा है।

कोरोना से जब दुनिया में हाहाकार मची हुई थी, तब नरेंद्र मोदी एकाग्रचित्त होकर भारत ही नहीं दुनिया के कोरोना से मुक्ति के लिए संघर्षरत थे। कोविड–19 की पहली लहर में जब दुनिया उपचार के लिए दवा तय नहीं कर पा रही थी, तब भारत ने हाइड्रोक्सी–क्लोरोक्वीन गोलियां अमेरिका समेत पूरी दुनिया को उपलब्ध कराई। नतीजतन दुनिया में मोदी की लोकप्रियता में अप्रत्याशित वश्द्धि हुई। इस कालखंड में अमेरिका की एजेंसी मॉर्निंग कंसल्ट ने एक सर्वे किया। इस सर्वे में साफ हुआ कि मोदी की लोकप्रियता निरंतर न केवल बनी हुई है, बल्कि बढ़ी भी है। सर्वे में मोदी की प्रसिद्धि की दर 55 प्रतिशत रही। इसे सभी प्रमुख वैश्विक नेताओं में सबसे अधिक अंक मिले। रेटिंग एजेंसी फिच व एसबीआई ने कोरोना काल में आर्थिक गतिविधियां लंबे समय तक बंद रहने के बावजूद माना की देश के आर्थिक हालात बेहतर हो रहे हैं। बिगड़ी आर्थिक व्यवस्था की चाल को सुधारने के लिए सरकार के स्तर पर अनेक प्रयास हो रहे हैं। नतीजतन आर्थिक समश्द्धि भविष्य में बनी रहना तय है। फिच ने माना की सरकार ने श्रम और कृषि में जो कानूनी सुधार किए हैं। उससे बिचौलिए खत्म होंगे और देश खुशहाल होगा।

2014 में जब मोदी सरकार ने सत्ता संभाली थी, तब अर्थव्यवस्था बदहाल थी। महंगाई आसमान पर थी और दूरसंचार, कोयला, राष्ट्रमंडल खेल एवं आदर्श सोसायटी के घोटालों के उजागर होने से देश शर्मसार था। विदेशी पूंजी निवेश थम गया था। किंतु धीरे–धीरे संस्थागत सुधारों पर बल देते हुए सरकार ने बदतर हालात पर पूरी तरह काबू पा लिया। यही वजह है कि पिछले तीन साल में 151 अरब डॉलर का पूंजी निवेश भारत में हुआ है। बीते वित्तीय वर्ष में यह उछाल 36 प्रतिशत रहा है। कर कानूनों में सुधार की दृष्टि से जीएसटी विधेयक पारित कराना क्रांतिकारी पहल रही। धन का लेन–देन पारदर्शी हो, इस नजरिए से डिजिटल आर्थिकी को बढ़ावा देने के लिए नोटबंदी करना साहसिक पहल थी। जनधन और उज्ज्वला जैसी योजनाओं पर तकनीकी अमल से गरीब को वास्तव में लाभ मिला है। नए कानून लाकर जमीन जायदाद के व्यापार और एनपीए पर जिस तरह से शिकंजा कसा है, उससे लगता है, भाविष्य में अब रियल स्टेट कारोबार में हेराफेरी और बैंकों से कर्ज लेकर विजय माल्या, नीरव मोदी एवं मेहुल चोकसी की तरह चंपत हो जाने वाले कारोबारियों की मुश्कें कसेंगी। इन उपायों से ऐसा लगता है कि देश का ढांचागत कायांतरण हो रहा है। युवाओं को नए रोजगार सृजित करने की दृष्टि से स्टार्टअप और स्टेंडअप जैसी योजनाएं भी लागू की गईं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अंतरराष्ट्रीय सम्मान मिलना और देश को रेटिंग एजेंसियों द्वारा सम्मानजनक स्थान देना, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय उपलब्धियों के बिना संभव नहीं है। इस हेतु नरेंद्र मोदी ने एक के बाद एक बिना रुके, बिना थके एशियाई व पश्चिमी देशों की सैंकड़ों यात्राएं कीं। इन यात्राओं में मिली अप्रत्याशित सफलताओं ने प्रधानमंत्री को वैश्विक नेता के रूप में उभार दिया है। द्विपक्षीय रिश्तों में उन्होंने नए प्राण डाले। इन सभी यात्राओं की खास बात यह रही कि हिंदी में भाषण देने के बावजूद राष्ट्रीय ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय मीडिया में भी मोदी का जादू सिर चढ़कर बोलता रहा है। पिछले कुछ दशकों में ऐसा माहौल भारतीय प्रधानमंत्री तो क्या अन्य किसी देश के मुखिया के विदेशी दौरों में दिखाई नहीं दिया। उनके इस जादू के असर का प्रमुख कारण स्पष्टवादिता, दृढ़ता और वैश्विक आतंकवाद को खत्म करने का कठोर संदेश रहा। मोदी के इसी आचरण के कारण ब्रिटेन के प्रधानमंत्री डेविड कैमरेन उनके प्रशंसकों की सूची में शामिल हो गए हैं। अपने पक्ष में मिले इस विश्वव्यापी समर्थन को देखते हुए ही, मोदी ने फिजी में कहा भी था कि 'भारत विश्व गुरु की भूमिका निभाएगा और अपनी ज्ञानशक्ति से विश्व का नेतृत्व करेगा।' दरअसल भविष्य का राजनीतिक नेतृत्व ज्ञान आधारित नेतृत्व पर ही टिका होगा, यह संभावना अमेरिका और ब्रिटेन भी जता चुके हैं।

राष्ट्राध्यक्षों की विदेश यात्राओं के दौरान यह घटना विलक्षण ही होती है कि कोई मेजबान देश अतिथि प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति को अपने देश की सर्वोच्च संवैधानिक संस्था संसद में बोलने का अवसर दे। लेकिन मोदी ने नेपाल, भूटान और फिजी की संसदों को तो संबोधित किया ही, विकसित देश आस्ट्रेलिया की संसद को संबोधित करने का मौका उन्हें दिया गया। इस तरह किसी पश्चिमी देश की संसद को संबोधित करने वाले मोदी पहले भारतीय प्रधानमंत्री हैं। आस्ट्रेलिया यात्रा के दौरान प्रवासी भारतीयों ने तो मोदी का गर्मजोशी से स्वागत अलफॉन्स एरीना स्टेडियम में किया ही था, वहां के प्रधानमंत्री टोनी एबॉट भी रिश्तों को पुख्ता करने में अतिरिक्त उत्साहित में दिखे थे। मोदी के नेतश्त्व का लोहा ब्रिस्वेन में हुए जी–20 शिखर सम्मेलन में भी दिखा था। विकसित और विकासशील देशों के इस संयुक्त संगठन ने ब्रिस्वेन घोषणा–पत्र जारी किया था। इसमें कालाधन के मुद्दे को मोदी की मांग पर ही शामिल किया गया था। यह कम बात नहीं है कि पहली बार दुनिया के प्रमुख शक्तिशाली नेताओं ने सीमा पार कर चोरी को रोकने के उद्देश्य से सूचनाओं के स्वतः आदान–प्रदान पर सहमत हुए थे। इतने पुरजोर तरीके से न तो किसी वैश्विक मंच पर कालेधन का मुद्दा उठाया गया और न ही इतने बड़े स्तर पर कालेधन पर प्रतिबंध की मांग को स्वीकार्यता मिली। जाहिर है, विश्व स्तर पर मोदी कूटनीति के चतुर खिलाड़ी साबित होते रहे हैं।

मोदी की काबिलियत प्रवासी भारतीयों को लुभाने में भी पेश आती रही है। इससे पहले देश का कोई प्रधानमंत्री अपने ही रक्त संबंधियों की भावनाओं को इस तरह सम्मोहित नहीं कर पाया ? आस्ट्रेलिया में 28 साल बाद तो फिजी में 33 साल बाद भारत का कोई प्रधानमंत्री अपने रक्त–संबंधियों से दुख–दर्द बांटने पहुंचा था। मोदी के पहले राजीव गांधी और इसके पहले इंदिरा गांधी फिजी गए थे। फिजी में 40 प्रतिशत भारतीय मूल के लोगों की आबादी है। इनमें से ज्यादातर ब्रिटिश शासनकाल 1879 से 1916 के बीच गिरमिटिया मजदूरों के रूप में ले जाए गए थे। फिजी की 83 फीसदी अर्थव्यवस्था वन संपदा, मछली और पर्यटन उद्योग पर टिकी है। लेकिन विडंबना है कि इस उद्योग के बड़े भाग पर वर्चस्व महज दो फीसदी गोरी आबादी का है। बावजूद फिजी की राजनीति में भारतवंशियों का दबदबा कायम है। 1997 में फिजी में जब लोकतांत्रिक सरकार का गठन हुआ तो उसके प्रधानमंत्री भारतवंशी महेंन्द्र सिंह चौधरी बने। फिजी में भारतीयों की अब राजनीति के साथ–साथ आर्थिक हैसियत भी बढ़ रही है। इसीलिए मोदी को फिजी की संसद को संबोधित करने का अवसर मिला था। फिजी व भारत की निकटता अपनी ऐतिहासिक–सांस्कृतिक विरासत और हिंदी के कारण है। वहां हिंदी खूब पढ़ी व बोली जाती है। फिजी विश्व हिंदी सम्मेलन भी आयोजित कर चुका है। इंदिरा गांधी ने भी फिजीवासियों के इस मर्म को समझा था। इस कारण वे भी फिजी गई थीं और उन्होंने द्विपक्षीय वार्ता में फिजी को महत्व दिया था। मोदी ने फिजी सरकार से कृषि व दुग्ध उद्योग के क्षेत्र में बढ़ावे का करार किया था। फिजी को डिजीटल क्षेत्र में भारत मदद कर रहा है।

प्रवासी भारतीय हर साल अपने नाते–रिश्तेदारों को 70 अरब डॉलर भारत भेजते हैं। मोदी की निगाहें प्रवासी भारतीयों के इस निवेश को और बढ़ाने पर भी टिकी रही हैं। इसलिए प्रवासी भारतीय निरंतर भारत में निवेश कर रहे हैं। चूंकि ज्यादातर प्रवासी भारतीय गरीबी की हालत में अपने साथ धरोहर के रूप में गीता और रामायण साथ ले गए थे। मोदी ने इसी सांस्कृतिक विरासत को लेकर दुनिया के देशों की अनेक यात्राएं कीं, इसलिए दुनिया में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारतीयों के बीच लोकप्रिय हो रहे हैं। दूसरी तरफ वैश्विक आतंकवाद की खिलाफत और मोदी द्वारा सैंकड़ों देशों से नए धरातल पर बनाए द्विपक्षीय संबंधों ने मोदी की लोकप्रियता तो बढ़ाई ही, उन्हें वैश्विक नेता के रूप में स्थापित करने का काम भी किया है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार है।)

सरकारें बनाने-गिराने में कर्मचारियों की भूमिका

–राजेंद्र मोहन शर्मा–

सरकारी कार्यों के संचालन के लिए एक व्यवस्थित श्रेणी जिसे कर्मचारी या मुलाजिम कहा जाता है, बनाई गई है। इन लोगों को एक विशेष प्रशिक्षण तथा नियमों का ज्ञान देकर जनता के प्रति उत्तरदायी बनाया जाता है। कर्मचारियों का समाज में एक विशेष स्थान होता है क्योंकि यह समझा जाता है कि यह सभी लोग बुद्धिजीवी होते हैं तथा अपने काम का एक विशेष अनुभव लिए होते हैं। आम जनता इन लोगों के दिए हुए सुझावों का अनुसरण करती है तथा इस तरह ये सत्तारूढ़ पार्टी के पक्ष या विपक्ष में जनमत बनाने में महत्त्वपूर्ण योगदान अदा करते हैं।

कर्मचारियों को राजनीतिज्ञों की हर नब्ज का पता होता है। वे जानते हैं कि राजनीतिज्ञों को नीतियों व नियमों का कोई ज्यादा ज्ञान नहीं होता क्योंकि उनको पता है कि प्रजातांत्रिक प्रणाली में ऐसे लोगों का शिक्षा का स्तर कोई इतना ज्यादा नहीं होता। ऐसे व्यक्ति को जिसे कृषि, बागवानी, स्वास्थ्य, साइंस, कानून व शिक्षा का मंत्री बना दिया जाए तो वे नौकरशाहों की दी हुई सलाह को ही मानेंगे। नौकरशाह ही कानून बनाते हैं तथा कई बार बनाए गए कानून आम जनता को मान्य नहीं होते तथा इन नियमों का इतना विरोध हो जाता है कि सत्तारूढ़ दल को पराजय का मुंह भी देखना पड़ जाता है। उदाहरणतः कृषि कानून, जिसकी अवधारणा तो कृषकों के पक्ष में ही है मगर फिर भी कई कारणों से यह कानून कई राज्यों के लोगों को मान्य नहीं है तथा उनका विरोध सत्ता पक्ष के विपरीत ही जाता महसूस हो रहा है। आज प्रत्येक घर में विशेषतः हिमाचल जैसे विकसित राज्य में हर तीसरा व्यक्ति किसी न किसी सेवा क्षेत्र में तैनात है। भले ही सत्ता को चलाने में उनका सकारात्मक योगदान ज्यादा है मगर फिर भी कहीं न कहीं उनके नकारात्मक कृत्यों से जनता दुखी हो ही जाती है। कुछ कर्मचारी अपने कार्यों का निष्पादन उचित ढंग से नहीं करते तथा छोटे–छोटे कार्यों के लिए घूस लेने की मांग करते हैं। ऐसे में लोगों में सरकार के विरुद्ध चिंगारी सुलगने लग जाती है जो आगे चल कर आग का रूप धारण कर लेती है। स्थिति उस समय और भी संवेदनशील हो जाती है जब भ्रष्ट अधिकारियों व कर्मचारियों को अहम पदों पर तैनाती दे दी जाती है तथा जो सरकारी धन का दुरुपयोग करते हुए अपनी व राजनीतिज्ञों की जेबें भरने लगते हैं। कुछ कर्मचारी व अधिकारी जातीय आधार पर भी लोगों का पक्षपात से काम करना आरंभ कर देते हैं। यह भी देखा जाता है कि राजनीतिज्ञ भी अपनी ही जाति के लोगों को ज्यादा पसंद करते हैं। ऐसा करने से दूसरी जाति के लोगों में वैमनस्य उत्पन्न होना शुरू हो जाता है। इसी तरह कुछ ऐसे मुलाजिम भी होते हैं जिन्हें राजनीतिज्ञों का अत्यधिक संरक्षण प्राप्त होता है तथा ऐसे मुलाजिम अपने कार्य निष्पादन में कुछ ज्यादा ही अहंकारी हो जाते हैं। मगर ऐसा होना अन्य सेवारत मुलाजिमों को गंवारा नहीं होता तथा वो सत्तारूढ़ पार्टी के विपक्ष में अपना जनमत तैयार करना शुरू कर देते हैं। जन कल्याण के लिए सरकार द्वारा बहुत सी स्कीमें चलाई जाती हैं तथा विभिन्न क्षेत्रों में आर्थिक सहायता को सबसिडी के रूप में दिया जाता है। हालांकि ऐसे कदम निश्चित तौर पर महंगाई को बढ़ाते हैं, मगर यह भी देखा जाता है कि कर्मचारियों के पक्षपात वाले रवैये के कारण गरीब लोग इन सुविधाओं से वंचित रह जाते हैं तथा पात्र लोगों में सरकार के खिलाफ रोष उत्पन्न होना शुरू हो जाता है।

चालानों के साथ–साथ सुधारात्मक कार्यों पर भी जोर देना चाहिए तथा विभागों की इस धारणा को कि वर्तमान में किए गए चालानों की संख्या गत वर्ष से कम नहीं रहनी चाहिए, को भी नकारना चाहिए। कई बार कर्मचारियों व अधिकारियों के स्थानांतरण राजनीतिक कारणों से किए जाते हैं तथा प्रताडित मुलाजिमों को या तो राजनीतिज्ञों की शरण में जाना पड़ता है या फिर न्यायालयों में चक्कर लगाने पड़ते हैं। सरकार स्थानांतरण की नीतियों को कागजों पर तो बना लेती है, मगर इनका कार्यान्वयन नहीं किया जाता। ऐसा करना मुलाजिमों को दो अलग–अलग धड़ों में बांट देता है तथा प्रताडित वर्ग चुनावों के दिनों में सरकार के विरुद्ध मतदान करता है जो कि सत्तारूढ़ दल को सत्ताहीन करने में सहायक सिद्ध होता है। बहरहाल सत्तारूढ़ दलों को कर्मचारियों व अधिकारियों के साथ भेदभाव की नीति को त्यागना होगा तथा भ्रष्ट मुलाजिमों पर नकेल कसनी होगी।

बिहारी कब बनेंगे कारोबारी

–आर.के. सिन्हा–

शायद ही देश में कोई ऐसी प्रतियोगी परीक्षा आयोजित होती होगी, जिसमें बिहार, झारखण्ड, उड़ीसा के नौजवान बढ़–चढ़कर भाग न लेते हों और उसमें अभूतपूर्व सफलता दर्ज न करते हों।

इन कठिन परीक्षाओं में सफल होकर बिहारी नौजवान देश के प्रतिष्ठित कॉलेजों–विश्वविद्यालयों में दाखिला लेते हैं या सरकारी नौकरियों को सफलतापूर्वक प्राप्त कर लेते हैं। यहां तक तो सब ठीक है। इनकी सफलता में इनके माता–पिता और परिवार के बाकी सदस्यों का बलिदान भी कम अहम नहीं होता। लेकिन, इसके चलते बिहार की प्रतिभा का एक बड़ा हिस्सा राज्य से बाहर चला जाता है।

बहरहाल, अब बिहारी नौजवानों को नौकरी के आगे भी तो सोचना होगा। वे सिर्फ नौकरी करके ही अपना जीवन व्यतीत करने के संबंध में नहीं सोच सकते। उन्हें उद्यमी बनना होगा। उन्हें सोचना होगा कि वे किसी के मातहत काम करने के बजाय खुद के बॉस बनें और अन्य नौजवानों को भी रोजगार दें। वे सरकारी बाबू, टीचर, इंजीनियर, आर्किटेक्ट, बैंकर, पत्रकार आदि सब तरह की जॉब तो कर ही रहे हैं। वे अपनी जॉब के साथ न्याय भी कर रहे हैं। उनमें ज्ञान और प्रतिभा भी भरपूर है। वे जहां भी जाते हैं, वहां छा जाते हैं। पर वे कहीं न कहीं उद्यमी बनने से डरते या बचते हैं। उनमें रिस्क लेने का माद्दा नहीं है। यह उनकी गलती भी नहीं है। उन्हें बचपन से ही कोई अच्छी–सी नौकरी करने की घुट्टी घर और समाज में पिलाई जाती है। लेकिन, उन्हें अब कारोबारी दुनिया में आना ही होगा। इधर नई इबारत लिखनी होगी।

हैरानी की वजह यह है कि बिहार में लोग आर्थिक उदारीकरण के बाद भी नहीं बदले। देश में आर्थिक उदारीकरण की बयार के तीस साल हो चुके हैं। लेकिन वह बयार बिहार तक कायदे तक पहुंच ही नहीं पाई है। वहां अब भी पहले वाली मानसिकता समाज में बनी हुई है। बिहारी समाज को लगता है कि उनका बेटा या बेटी किसी तरह से सरकारी नौकरी को हासिल कर ले। इतना ही काफी है। समझ नहीं आता कि सारी दुनिया की खबर रखने वाला बिहारी समाज क्यों नहीं जान पा रहा है कि अब उद्यमी बनने का दौर चल रहा है। अगर आपके पास कोई फड़कता हुआ आइडिया है, तो आप भी आने वाले समय के एन. नारायणमूर्ति (इंफोसिस), सचिन–बिन्नी बंसल (फ्लिपकार्ट), शिव नाडार (एचसीएल) बन सकते हैं। ये सभी आर्थिक उदारीकरण के बाद ही सामने आए या इनके कारोबार का तेजी से विस्तार हुआ। ये सब के सब पहली पीढ़ी के उद्यमी हैं। ये अब हजारों लोगों को रोजगार दे रहे हैं। सचिन–बिन्नी बंसल ने अपनी कंपनी अमेजन को बेचकर हजारों करोड़ रुपए कमा लिए हैं। अब ये नए क्षेत्रों में निवेश कर रहे हैं।

बिहार के उद्योग जगत पर नजर रखने वाले जानते हैं कि यहां से गुजरे कई दशकों के दौरान सिर्फ अनिल अग्रवाल (वेदांत समूह), एल्केम फार्मा और अरिस्टो फार्मा ने ही बड़े स्तर पर अपनी जगह बनाई है। अति विनम्रता से कहना चाहता हूं कि मेरे द्वारा स्थापित एसआईएस समूह भी सेवा क्षेत्र में देश का एक अहम नाम है। हो सकता है कि इस सूची में कुछ नाम और भी शामिल किए जा सकते हों। ये सभी बिहार के समूह आर्थिक उदारीकरण के दौर से पहले ही शुरू हो चुके थे। इन्होंने तब अपने कारोबार को आरंभ किया था जब देश में इंस्पेक्टर राज था। उस दौर में सरकारी दफ्तरों से एक–एक फाइल को एक टेबुल से दूसरे टेबुल तक पहुँचाने के लिए दसियों चक्कर लगाने पड़ते थे। बिना घूस दिए सरकारी बाबू आप से बात करके भी राजी नहीं होते थे। लेकिन, आर्थिक उदारीकरण के बाद भी बिहार या बिहारी कहां बदला।

बिहारी अब भी उद्यमी बनने के लिए तैयार नहीं है। उसे अब भी सिर्फ एक अदद नौकरी की तलाश है। सरकारी नौकरी मिल जाये तो अच्छा नहीं तो मोटी पगार वाला कुछ भी। उसे लगता है कि एक नौकरी मिल जाए जिधर वह जीवनभर काम करता रहे। वहां से चंदन की माला गले में डलवाकर रिटायर हो जाये। पढ़े–लिखे बिहारी परिवारों के नौजवानों को ओला कैब्स के भविश अग्रवाल, मेक माई ट्रिप के दीप कालड़ा, जोमेटो के दीपेंद्र गोयल जैसे दर्जनों उद्यमी प्रेरित क्यों नहीं कर पा रहे हैं। इनकी कामयाबी को बिहारी निर्विकार भाव से ले रहे हैं। उनसे प्रेरित होकर उद्यमी बनने की राह पर नहीं बढ़ रहे हैं। सिर्फ नौकरी करने की बिहारियों की मानसिकता को कोई बहुत आदर्श सोच तो नहीं माना जा सकता। अब जब नौकरियों में स्थायित्व नहीं रहा तो उन्हें कुछ अपना करने के संबंध में तो सोचना ही होगा।

दरअसल मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट लगाकर किसी उत्पाद का उत्पादन करना तो कठिन काम है। उसके लिए बड़ी पूंजी की आवश्यकता भी सदैव बनी रहती है। बिहार के लोग सेवा क्षेत्र में तो आ ही सकते हैं। इसमें तो वे एक छोटे से दफ्तर से अपना काम शुरू कर सकते हैं। उन्हें किसी नए आइडिया के साथ अपने काम को ईमानदारी और मेहनत से शुरू करना होगा। एक बार काम शुरू कर लिया तो सफलता तो फिर मिलेगी ही। आपके पास सिर्फ एकलव्य दृष्टि होनी चाहिए।

देखा जाए तो बिहार का यह दुर्भाग्य ही रहा कि यहां के लोग न उद्यमी बनने के बारे में सोचते हैं और न ही बड़े औद्योगिक घरानों ने अपनी कोई इकाई बिहार में लगाने की योजना बनाई है। टाटा, रिलायंस, महिन्द्रा, गोयनका, मारूति जैसे किसी भी बड़े समूह ने बिहार में निवेश करना अबतक उचित नहीं समझा। जब किसी जगह कोई बड़ा कारखाना लगता है तो उसे माल देने के लिए कई छोटी इकाइयां आसपास खुल जाती हैं। उन्हें स्थानीय लोग ही खोलते हैं। पर चूंकि कोई मशहूर समूह यहां नहीं आया तो बिहार के लोगों को उद्यमी बनने का मौका भी नहीं मिला। आप दिल्ली, मुंबई, बैंगलुरू, लुधियाना समेत देश के किसी भी शहर में चले जाइये। वहां आपको बिहारी नौजवान हर तरह की नौकरी करते हुए मिलेंगे। इनमें से अगर दस फीसद भी अपने बिहार में कोई अपना काम करने लगें तो ये बिहार के लिए बहुत बेहतर होगा। इससे राज्य का विकास होगा। राज्य में उद्यमशीलता के वातावरण को बल मिलेगा। वक्त का तकाजा है कि बिहार का समाज नौकरी से आगे भी कुछ करने के बारे में विचार करे।

ब्लॉक कुठौंद में मनरेगा के तहत चयनित महिला मेट को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए दिया गया प्रशिक्षण

अवध की आवाज

माधौगढ/ जालौन विकासखंड कुठौंद में महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना के तहत ब्लॉक परिसर में वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए विकासखंड की ग्राम पंचायतों में चयनित महिला मेट को प्रशिक्षण दिया गया। जिसमें सभी महिला मेट को प्रशिक्षण के दौरान जानकारी दी गई कि इस कार्य को करने के लिए अपने मोबाइल फोन में अस्मिता ऐप डाउनलोड करके ग्राम पंचायत के अंतर्गत हो रहे मनरेगा के तहत कार्य को अपलोड कर रिपोर्ट प्रस्तुत करनी है। आज की वीडियो कांफ्रेंसिंग के दौरान मौजूद विकासखंड के एडीओ आईएसबी अखिलेश शर्मा एनआरएलएम के प्रभारी रवि यादव मनरेगा सेल के कंप्यूटर ऑपरेटर अमित कुमार तथा मनरेगा के ब्लॉक कोऑर्डिनेटर दीपक कुमार द्विवेदी आदि लोग इस वीडियो कांफ्रेंसिंग के दौरान मौजूद रहे। शासन द्वारा इस कदम को उठाने का बहुत ही सराहनीय कार्य बताया गया ताकि महिलाओं में जागरूकता दौड़े और महिलाएं अपने सहभागिता के तहत ग्राम पंचायत के अंदर अपना विशेष कार्य का दायित्व निर्वाहन करेंगी।

थाना दिवस में रामपुरा सात और माधौगढ़ में दो फरियादियों ने लगायी न्याय की गुहार

अवध की आवाज

माधौगढ़ (जालौन) – शनिवार को होने वाले थाना समाधान दिवस में दो फरियादियों ने न्याय की गुहार लगायी जिसमें रामपुरा मे उप जिलाधिकारी राजेश कुमार क्षेत्राधिकारी

साहिदा नसरीम थाना प्रभारी कमलेश कुमार कस्बा इंचार्ज सुशील पाराशर प्रदीप कुमार व माधौगढ़ प्रभारी निरीक्षक अजय कुमार अवस्थी ने समस्याओं को सुनते हुए गुणवत्तापूर्ण निस्तारण की बात कही व कहा कि आम जनमानस पुलिस के प्रति मित्रवत व्यवहार रखे अपनी समस्याओं को थाने में दर्ज कराये कस्वे में यदि कोई भी समस्या आती है तो पुलिस को सूचना दें अवैध शराब तस्करी, जुध्आ, सट्टघ, अन्य अवैध कार्यों की जानकारी भी गोपनीय रुप से पुलिस को दे सकते है जानकारी मुहायै कराने वाले सख्स का नाम भी गोपनीय रखा जायेगा इस अवसर पर उपनिरीक्षक रामवीर सिंह, जितेन्द्र सिंह, सोनू श्रीवास्तव, पुल्लन पाल, धीरेन्द्र पटैरेया अन्य पुलिस स्टाफ मौजूद रहा ।

मजदूरों, कामगारों, कर्मचारियों के हित के लिये दिव्य त्रिवेदी

मुख्य अतिथि के रूप में संगठन के राष्ट्रीय महासचिव सर्वेश पाठक मौजूद भी रहेंगे

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोंडा। भारतीय जनता पार्टी अनुषांगिक के संगठन भारतीय श्रमिक, कामगार, कर्मचारी महासंघ के कार्यकर्ताओं द्वारा भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे योजनाओं को जन–जन तक पहुंचाने के लिए जो कार्य सम्मानित पदाधिकारियों के द्वारा किया गया है। उनके जागरूकता अभियान के लिए मथुरा से काशी यात्रा प्रारंभ किया जाएगा यह यात्रा 14 नवंबर बाल दिवस के शुभ अवसर पर इस यात्रा का शुभारंभ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दिव्य त्रिवेदी जी पश्चिम रेलवे बोर्ड के सदस्य एवं गरीबों एवं कामगारों के मसीहा कहे जाने वाले जब त्रिवेदी जी मुख्य अतिथि के रूप में इस अभियान का शुभारंभ करेंगे ऐसे मौके पर विशिष्ट अतिथि के रूप में संगठन के राष्ट्रीय महासचिव सर्वेश पाठक जी उपस्थित रहेंगे

हमारे संवाददाता से बात करते हुए संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अशोक कुमार सिंह ने बताया कि यह यात्रा सर्वप्रथम ब्रज प्रांत के मथुरा से शुरुआत होकर आगरा अलीगढ़ हाथरस मैनपुरी फर्रुखाबाद शाहजहांपुर बरेली आंवला बदायूं संभल से होते हुए यात्रा काफी तक चलेगी जिससे श्रमिकों की योजनाओं अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए कार्य किया जाएगा। इस कार्यक्रम के मुख्य भूमिका में संगठन के महासचिव योगेंद्र गंगवार जी ने बताया कि इस प्रकार विगत 2 वर्षों से हमारे राष्ट्रीय महासचिव के नेतृत्व में संपूर्ण प्रदेश में विशाल सेना तैयार हुई है। इस प्रकार प्रदेश के सभी जनपदों में कामगारों कर्मचारियों के बीच में कार्य किया जा रहा है। इस कार्य को गति देने का कार्य हमारे प्रदेश के महामंत्री मनीष मिश्रा जी जवान प्रदेश के आईटी संयोजक गौरव शर्मा जी सहित संपूर्ण प्रदेश के पदाधिकारी क्षेत्रीय अध्यक्ष एवं जिला अध्यक्ष सहित सम्मानित पदाधिकारी पूरी निष्ठा के साथ कार्य कर रहे हैं।

हिंदू युवा वाहिनी गोपाष्टमी के पावन पर्व पर करनैलगंज के तहसील प्रभारी अनिरुद्ध प्रकाश तिवारी के नेतृत्व में गौ माता का पूजा वन मिष्ठान मिष्ठान वितरण का आयोजन

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। दिनांक 12 नवंबर को गोपाष्टमी के पावन पर्व पर हिंदू युवा वाहिनी तहसील करनैलगंज के तहसील प्रभारीश्री अनिरुद्ध प्रकाश तिवारी जी के नेतृत्व में विकासखंड परसपुर के गौ आश्रय केंद्र पुरैना में गौ माता का पूजन अर्चन के साथ पकवान एवम् मिस्ठान ग्रहण कराया गया और गौ सेवकों को उपहार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता तहसील अध्यक्ष विजय मिश्र ने की। इस अवसर पर जिला कोषाध्यक्ष अरविंद गुप्ता, तहसील वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री विश्वजीत सिंह, उपाध्यक्ष शिव शरण मिश्र जी, मंत्री केशवराम शुक्ल जी, कोषाध्यक्ष प्रमोद जी,परसपुर के ब्लाक प्रभारी शिव प्रसाद सिंह जी, अध्यक्ष धीरू सिंह जी, महामंत्री बब्लू पांडेय जी, करनैलगंज नगर महामंत्री अमर सिंह जी,हलधर्मऊ ब्लाक उपाध्यक्ष रजनीश पांडे जी,करनैलगंज ब्लॉक अध्यक्ष श्रीमान राकेश सिंह जी,पशु चिकित्सा अधिकारी महोदय डॉक्टर संजय सिंह, उप निरीक्षक दीवानचंद रावत जी, विकास विभाग के मातादीन सिंह जी, जनमेजय सिंह प्रधान प्रतिनिधि समेत हिन्दू युवा वाहिनी के सैकड़ों कार्यकर्ता पदाधिकारी उपस्थित रहे।

नमो कंचन सेवा समिति द्वारा बच्चों को खाद्य सामग्री वितरण की गइ

अवध की आवाज ब्यूरा

लखनऊ। लखनऊ के श्रीमद दयानंद बाल सदन मोतीनगर में गुरुवार को हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी नमो कंचन सेवा समिति द्वारा अनाथ असहाय बच्चों के बीच खाद्य सामग्री का वितरण किया। समिति ने बिस्किट, मिक्चर, चिप्स आदि खाद्य सामग्री व छोटे–छोटे बच्चों को वितरण किया। नमो कंचन सेवा समिति अध्यक्ष कंचन सोलंकी ने कहा कि असहाय परिवार के छोटे–छोटे बच्चों के बीच खाद्य सामग्री का वितरण किया गया । व अनाथ लोगों को खाद्य सामग्री वितरण की सामग्री पाकर अनाथ असहाय बच्चों के खिले चेहरे अनाथ बच्चों ने नमो कंचन सेवा समिति के प्रति आभार व्यक्त किया । उन्होंने असहाय परिवार के लोगों से अपील की कि वे लोग नशापान से दूर रहें । नमो कंचन सेवा समिति ने पिछले वर्ष कोरोना काल में जब लोग कोरोना के डर से अपने–अपने घरों में कैद थे तब नमो कंचन सेवा समिति द्वारा बिना अपनी जान की परवाह किए बैगर लखनऊ में जगह जगह पर अपनी समिति द्वारा आनाथ असहाय जरूरतमंद बच्चों को राहत सामग्री वितरण की थी हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सेवा समिति द्वारा राहत सामग्री वितरण की गई इस अवसर पर रजनी विश्वकर्मा सहित दर्जनों गणमान्य लोग मौजूद रहे ।

ब्लॉक परसपुर में भाजपा सदस्यता अभियान के अंतर्गत भाजपा के वरिष्ठ नेता अवध नारायण सिंह ,, कैलाश सिंह लोगों ने मिलकर के भाजपा सदस्यता अभियान का किया प्रारंभ और सभी लोगों का स्वागत व किया अभिनंदन

अवध की आवाज ब्यूरा

गोंडा। ब्लॉक परसपुर पर भाजपा सदस्यता अभियान में भाजपा के वरिष्ठ नेता अवध नारायण सिंह कैलाश सिंह ताले पुरवा भीम सिंह उतरौला पिंकू सिंह प्रधान विपिन कुमार सिंह पिंकू सिंह प्रधान रंजय प्रताप सिंह सभी सम्मानित साथियों के साथ अजय सिंह ब्लाक प्रमुख परसपुर सदस्यता अभियान की अध्यक्षता मैं सभी का हार्दिक अभिनंदन वंदन किया गया। जैसा कि इस समय सभी पार्टियां इलेक्शन के समय को मध्य नजर रखते हुए अपने–अपने पार्टियों का सदस्यता अभियान प्रारंभ की हुई है इसी को मद्देनजर रखते हुए बीजेपी के पदाधिकारियों ने भी अपने अपने क्षेत्र में तहसील स्तर पर सदस्यता अभियान प्रारंभ कर रखा है। जिसका जीता जागता प्रत्यक्ष रूप परसपुर के तहसील स्तर पर वरिष्ठ पदाधिकारियों के द्वारा सदस्यता अभियान शुरू किया गया।

अपना दल यस जिला सीतापुर दिनांक 12 नवंबर 2021 को मासिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया

अवध की आवाज ब्यूरो

सीतापुर। अपना दल यस जिला सीतापुर दिनांक 12 नवंबर 2021 को मासिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। जिस के

मुख्य अतिथि जय प्रकाश पटेल जिला अध्यक्ष विशिष्ट अतिथि कमल सरोज वर्मा अध्यक्षता कर रही श्रीमती शोभा लोधी जी जिला उपाध्यक्ष महिला मंच आज की समीक्षा बैठक में विधानसभा चुनाव 2022 को लेकर चर्चा की गई। जयप्रकाश पटेल ने बताया सभी विधानसभाओं को बूथ स्तर तक तत्काल तैयार करना है। इस बात पर पदाधिकारियों ने सहमति जताते हुए कमल सरोज ने बताया सर्वप्रथम जिले में सदस्यता अभियान चलाया जाए जिसके जरिए सेक्टर और बूथ तक पार्टी का गठन हो सके तथा निष्क्रिय पदाधिकारियों की जगह तत्काल प्रभाव से नए पदाधिकारियों की नियुक्ति की जाए जिस कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष सीतापुर सदर राजू राजवंशी जहीर अहमद जिला उपाध्यक्ष अल्पसंख्यक मंच सोबरन लाल वर्मा जिला कार्यकारिणी सदस्य राजकुमार पटेल जिला कोषाध्यक्ष गौतम राजपूत रामसनेही गुप्ता जी विष्णु कुमार पांडे जी कालिका प्रसाद पटेल विधानसभा अध्यक्षासेवता मखादूम अहमद विधानसभा उपाध्यक्ष महमूदाबाद राम लखन वर्मा रामकेवल पटेल जी विधानसभा महासचिव सेवता गुड्डी देवी शशी सिंह आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा के निर्देशन में मिशन शक्ति फेस–3.0 अभियान के तहत थानों की एण्टीरोमियों टीम द्वारा बालिकाओं/महिलाओं को नारी सुरक्षा, सम्मान व स्वावलम्बन के प्रति जागरुक कर हेल्पलाइन नं0 1090,181,1098,1076, यू0पी0–112 के बारे में बताया गया।

डीएम ने 03 एजेंसियों के 27 क्रय केंद्र प्रभारियों को जारी किया स्पष्टीकरण, मचा हड़कंप

पांच से कम किसानों से खरीद करने वाले क्रय केंद्रों से डीएम ने किया जवाब तलब

अवध की आवाज ब्यूरो

लखीमपुर खीरी। डीएम महेंद्र बहादुर सिंह ने गुरुवार को जनपद की विभिन्न क्रय एजेंसियों द्वारा की गई धान खरीद के डाटा की विस्तृत समीक्षा की संबंधित को जरूरी निर्देश दिए। गुरुवार को पांच से कम किसानों से खरीद करने वाले तीन क्रय एजेंसियों के 27 केंद्र प्रभारियों से स्पष्टीकरण तलब किया। समीक्षा के दौरान डीएम ने उप्र उपभोक्ता सहकारी संघ के दो, उप्र कोऑपरेटिव यूनियन के चार, पीसीएफ के 21 क्रय केंद्रों पर पांच से भी कम किसानों से खरीद करने पर संबंधित एजेंसियों के जिला प्रबंधक से स्पष्टीकरण तलब किया। डीएम ने कहा कि क्रय केंद्रों पर इतनी कम संख्या में कृषकों से खरीद होना, यह परिलक्षित करता है कि धान खरीद में संबंधित क्रय केंद्र प्रभारियों द्वारा अपेक्षित रुचि नहीं ली जा रही है। यह स्थिति कदाचित उचित नहीं है। उन्होंने संबंधित क्रय एजेंसियों के जिला प्रबंधक को निर्देश दिए कि संबंधित क्रय केंद्र प्रभारियों का स्पष्टीकरण दो दिवस के अंदर प्राप्त कर उनके समक्ष प्रस्तुत करें कि उनके द्वारा इतनी कम संख्या में कृषकों की खरीद क्यों की गई। डीएम ने बताया कि प्रतिदिन 5500 से 6000 एमटी धान की खरीद किसानों से क्रय केंद्र के जरिए की जा रही है। उन्होंने बताया कि यदि किसी किसान को धान बेचने में असुविधा हो तो वह क्रय केंद्र पर लगे बैनर ऊपर अंकित नंबरों पर सूचना दें। आवश्यकतानुसार उप जिलाधिकारी एवं अपर जिला अधिकारी खीरी को भी सूचना देकर अपनी समस्या का निदान कराए। उन्होंने बताया कि प्रशासन सरकार की मंशा के अनुरूप किसानों के मानक युक्त धान को न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदने हेतु कृत संकल्पित है।

कोविड टीकाकरण को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

लोकबन्धु अस्पताल में नुक्कड़ नाटक के जरिये बताई टीकाकरण की अहमियत

सीफार के सहयोग से चलाया गया हस्ताक्षर अभियान

आकर्षण का केंद्र रहा अस्पताल में प्रदर्शित न्यूज कोलॉज

अवध की आवाज ब्यूरा

लखनऊ। लोकबंधु राजनारायण जिला संयुक्त चिकित्सालय में शुक्रवार को कोविड टीकाकरण महाअभियान आयोजित किया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में सेंटर फॉर एडवोकेसी एन्ड रिसर्च (सीफार) संस्था के सहयोग से हस्ताक्षर अभियान चलाया गया और न्यूज कोलॉज का प्रदर्शन किया गया । इस अवसर पर आकार फाउंडेशन के लोक कलाकारों ने नुक्कड़ नाटक के जरिये कोविड टीकाकरण की अहमियत बताई और लोगों को सन्देश दिया कि कोरोना से सुरक्षित रहना है तो टीके की दोनों डोज लगवाना बहुत जरूरी है। इस अवसर पर राज्य टीकाकरण अधिकारी डॉ. अजय घई ने कहा कि टीकाकरण की रफ्तार में तेजी लाने के लिए अब हर घर दस्तक अभियान चलाया जाएगा ताकि जो लोग भी टीकाकरण से छूटे हैं उनको घर पर ही टीका लगाया जा सके । उन्होंने कहा कि प्रदेश में करीब 14 करोड़ से अधिक लोगों का टीकाकरण होना है, जिसमें करीब 10 करोड़ लोगों को पहली डोज लग चुकी है और करीब साढ़े तीन करोड़ लोगों को दोनों डोज लग चुकी है। इस मौके पर लोक बंधु राजनारायण संयुक्त जिला चिकित्सालय की निदेशक डॉ. दीपा त्यागी ने टीकाकरण के प्रति जागरूकता को लेकर चलाये जा रहे अभियान को सराहा । हस्ताक्षर अभियान का शुभारंभ करते हुए मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मनोज अग्रवाल ने कहा कि कोरोना से सुरक्षित रहने के लिए टीके की दोनों डोज लगवाना बहुत जरूरी है । इसलिए जो लोग पहली डोज लगवा लिए हैं तो समय से दूसरी डोज लगवा लें । उन्होंने उदाहरण दिया कि मैंने भी दोनों डोज लगवा ली है और पूरी तरह से सुरक्षित हूँ। इस अवसर पर लोकबंधु अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अजय शंकर त्रिपाठी ने अस्पताल के स्वास्थ्य कर्मियों की सराहना करते हुए कहा कि उनके प्रयासों का ही नतीजा रहा कि आज तक अस्पताल करीब डेढ़ लाख लोगों का टीकाकरण करने में सफल हो सका है। उन्होंने सीफार द्वारा चलाये गए जागरूकता अभियान को सराहा और वहां प्रदर्शित कोलाज को आकर्षक बताया । इस अवसर पर अस्पताल के प्रबन्धक धनंजय और अन्य स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित रहे।

कन्नड़ ऐक्ट्रेस रचिता राम के बयान पर बवाल, शादी के बाद 'पहली रात' पर किया था कॉमेंट

मुंबई, (वेब वार्ता)। कन्नड़ फिल्मों की ऐक्ट्रेस रचिता राम अपने एक विवादित बयान के कारण परेशानी में घिरती नजर आ रही हैं। रचिता ने अपनी आने वाली फिल्म 'लव यू रच्चू' के प्रमोशन में रखी गई प्रेस कॉन्फ्रेंस में शादी के बाद की 'पहली रात' की चर्चा की थी। इसके बाद कन्नड़ क्रांति दल ने रचिता से माफी मांगने और कन्नड़ फिल्म चैंबर ऑफ कॉमर्स से उन्हें फिल्मों में बैन करने का मांग रखी है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एक रिपोर्टर के सवाल के जवाब में रचिता ने रिपोर्टर से पूछा था कि उन्होंने हाल में शादी के बाद पहली रात में क्या किया था। रिपोर्टर ने रचिता से फिल्मों में कामुक दृश्य फिल्माए जाने पर सवाल पूछा था। आने वाली फिल्म 'लव यू रच्चू' के बोल्ड सीन्स पर रचिता ने कहा कि उन्होंने फिल्म की स्क्रिप्ट की डिमांड के हिसाब से काम किया है। रचिता ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'यहां बहुत से लोग शादीशुदा हैं। मेरा इरादा किसी को शर्मिंदा करना नहीं है। मैं आप लोगों से पूछती हूं मुझे बताएं कि शादी के बाद लोग क्या करते हैं? वे लोग आपस में रोमांस करते हैं ना? यही फिल्म में दिखाया गया है। मैंने ये सीन क्यों किए इनके कुछ कारण हैं। यह आपको तब पता चलेगा जब आप फिल्म देखेंगे। इस मुद्दे पर मीडिया से बात करते हुए कन्नड़ क्रांति दल के अध्यक्ष तेजस्वी नागालिंगास्वामी ने कहा कि रचिता का बयान भारतीय सभ्यता के विरुद्ध है और इससे राज्य की छवि को आघात पहुंचता है। उन्होंने कहा कि उनका संगठन इस फिल्म को रिलीज नहीं होने देगा और इसकी शिकायत कोर्ट में करेगा। हालांकि रचिता राम के इस बयान पर उन्हें फैन्स का सपोर्ट भी मिल रहा है।

जनपद गोंडा में कई थानों में तैनात काफी दिन से पुलिसकर्मियों का तबादला, एसपी संतोष मिश्रा के द्वारा यह हुआ फेरबदल,,

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। जिले की व्यवस्था को लेकर पुलिस अधीक्षक सन्तोष कुमार मिश्रा ने पुलिस विभाग में बड़े पैमाने पर फेरबदल कर सैकड़ो लोगों को इधर से उधर कर दिया है। एसपी द्वारा किये गये फेरबदल में कुछ को नवीन तैनाती मिली है,तो कुछ पुलिसकर्मियों को वर्षो पुराना स्थान छोड़ना पड़ा। कुछ इसी तरह करनैलगंज कोतवाली में कई वर्षों से जमे कौशल किशोर भार्गव समेत अन्य कई नाम शामिल हैं। जारी सूची में नागेश्वरनाथ पटेल, सुनील तिवारी,कामेश्वर राय सहित कई नाम शामिल हैं। इस तरह से आप लोगों को बताते चलें कि जिले की स्थिति को मजबूती देने के लिए वर्तमान एसपी संतोष कुमार मिश्रा ने पूरे जिले में पुलिसकर्मियों का किया फेरबदल जिससे कानून व्यवस्था को मजबूती दिला सकें। जैसा कि फेरबदल की प्रक्रिया हर विभाग में होनी चाहिए वह चाहे प्रशासनिक हो या राजनीतिक एक ही स्थान पर रहने से लोग शुष्क हो जाते हैं अर्थात कार्य करने की शैली में प्रवाह पन की कमी हो जाती है।

आबकारी निरीक्षक क्षेत्र एक रामकुमार यादव ने युवक को 160 ग्राम चिप्पड के साथ पकड़ा, भेजा जेल

आबकारी निरीक्षक नेआरोपी के खिलाफ इटियाथोक थाने में एनडीपीएस में मामला दर्ज करा कर जेल के लिए किया रवाना

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोंडा। अबकारी अधिकारी के दिशा निर्देश पर आबकारी निरीक्षक सदर क्षेत्र एक के रामकुमार यादव अपनी टीम के साथ थाना इटियाथोक अंतर्गत एक युवक को 160 ग्राम चिप्पड के साथ पकड़ा है। जानकारी देते हुए सदर क्षेत्र एक के आबकारी निरीक्षक रामकुमार यादव ने बताया कि इटियाथोक थाना अंतर्गत जवाहर नगर में एक युवक 160 ग्राम चिप्पड लेकर किसी को देने की फिराक में था। जिसको लेकर घेराबंदी कर उसको पकड़ लिया गया और उसके कब्जे से 160 ग्राम चिप्पड बरामद कर लिया गया वहीं पकड़े गए युवक का नाम किशन पुत्र वच्छराज निवासी मेहनौन थाना इटियाथोक के रूप में हुई है। व्यक्ति के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जेल के लिए रवाना कर दिया गया है।

जूही चावला ने आर्यन खान के बर्थडे पर लिखा दिल छू लेने वाला पोस्ट, लिया यह प्रण

मुंबई, (वेब वार्ता)। आज यानी 13 नवंबर को शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान का बर्थडे है। कुछ दिन पहले ही क्रूज ड्रग्स केस में जमानत पर रिहा हुए आर्यन 24 साल के हो गए हैं। इस खास मौके पर जहां सोशल मीडिया पर सब आर्यन को बधाइयां दे रहे हैं, वहीं जूही चावला ने उनके लिए एक स्पेशल नोट लिखा है। जूही चावला ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर आर्यन खान के बचपन की एक तस्वीर शेयर की है। तस्वीर में आर्यन और सुहाना के साथ जूही चावला के बच्चे भी हैं। जूही ने आर्यन को बर्थडे विश करते हुए लिखा है, 'आज के स्पेशल मौके के लिए हमारे पर्सनल एल्बम से एक ऑरकूकुहैपी बर्थडे आर्यन। हमारी शुभकामनाएं तुम्हारे साथ हैं। इतने सालों में तुम्हारे

लिए जो कामनाएं रहीं, वो आज भी वैसी ही हैं। भगवान तुम पर हमेशा आशीर्वाद बनाए रखें। तुम्हारी हमेशा रक्षा करें और मार्गदर्शन करें। लव यू। तुम्हारे नाम पर 500 पेड़ लगाने का प्रण लिया है।' बता दें कि क्रूज ड्रग्स केस में जूही चावला, आर्यन खान की जमानती बनी थीं। उन्होंने आर्यन को जमानत पर रिहा करवाने के लिए उनके लिए 1 लाख रुपये का बेल बॉन्ड भरा था। जिस मुश्किल वक्त में फिल्म इंडस्ट्री के साथ–साथ खुद को शाहरुख खान (Shah Rukh Khan) का 'जिगरी दोस्त' बताने वालों ने उनसे दूरी बना ली थी, उस वक्त जूही चावला, शाहरुख के साथ खड़ी रहीं। जूही और शाहरुख की दोस्ती तब शुरू हुई थी जब दोनों ने 1993 में फिल्म 'डर' में साथ काम किया था। उसके बाद से दोनों ने साथ में खूब फिल्में कीं। इस दौरान दोनों की दोस्ती हो गई। जूही और शाहरुख हर मुश्किल वक्त में एक–दूसरे के परिवार के साथ खड़े रहे। आज यानी 13 नवंबर को जूही चावला का भी बर्थडे है। सोशल मीडिया पर जूही को बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। वहीं खबर है कि शाहरुख ने बेटे आर्यन की सुरक्षा के लिए अपने पर्सनल बॉडीगार्ड रवि को भी अपॉइंट किया है। रवि, सालों से शाहरुख और उनके परिवार के साथ हैं। आर्यन की जमानत के दिन भी रवि ही उन्हें लाने आर्थर रोड जेल गए थे।

सत्यमेव जयते 2 के लिए दिव्या खोसला कुमार ने की कड़ी मेहनत

मुंबई, (वेब वार्ता)। जब से फिल्म सत्यमेव जयते 2 का ट्रेलर आउट हुआ है तबसे प्रशंसक दिव्या खोसला कुमार के साथ जॉन अब्राहम की अनोखी जोड़ी बड़े पर्दे पर देखने के लिए उत्सुक है। उनके गाने – मेरी जिंदगी है तू और तेनु लहंगा, शहर में हर जगह गूंज रहे हैं। दिव्या खोसला कुमार काम के प्रति बेहद प्रतिबद्ध हैं। पिछले साल दीवाली के दौरान, अभिनेत्री ने इन्हीं गानों के रिहर्सल करने और अपने मूल्स पर पूरी तरह से परफेक्ट रहने के लिए लगातार में ही रहने का फैसला किया था , जबकि पूरा क्रू त्योहार मनाने के लिए अपने अपने घर लौट आया था। खैर, उनकी इस मेहनत और समर्पण के परिणाम गानों को मिली अपार सराहना के जरिए हम देख ही रहे हैं। निर्देशक मिलाप मिलन जवेरी ने अभिनेत्री की तारीफ करते कहते हैं कि, "दिव्या जो कुछ भी करती है उसमें अपना दिल लगा देती है। वह अपने किरदार के प्रति बहुत भावुक और समर्पित हैं और यह बात फिल्म में उनके प्रदर्शन में भी बहुत अच्छी तरह से दिखाई देती है। वह

फिल्म में विद्या का किरदार निभा रही हैं, जो सुंदरता, शक्ति और पवित्रता का प्रतीक है। उनके जैसे बेहद प्रतिभाशाली और प्रतिबद्ध अभिनेत्री के साथ काम करने का अनुभव शानदार रहा। भूषण कुमार, कृष्ण कुमार (टी–सीरीज), मोनिशा आडवाणी, मधु भोजवानी, निखिल आडवाणी (एम्मे एंटरटेनमेंट) द्वारा निर्मित सत्यमेव जयते 2 गुरुवार, 25 नवंबर 2021 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

रोज वैली धन शोधन मामले में ईडी ने सात वाहन जब्त किए

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। करोड़ों रुपये के रोज वैली धनशोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने हाल में छापेमारी के बाद सात चार पहिया गाड़ियों को जब्त किया है। संघीय जांच एजेंसी ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि उसने 10 नवंबर को पश्चिम बंगाल में सात स्थानों पर छापे मारे जिसके बाद उसने दो महिंद्रा बोलेरो एसयूवी, एक होंडा सिटी कार, एक टोयोटा इनोवा, एक टाटा इंडिका, एक हुंडई वरना और एक महिंद्रा एक्सयूवी जब्त की, जिसकी कुल कीमत करीब एक करोड़ रुपये है। बयान में कहा गया है, "ऐसा पाया गया कि इन वाहनों को रोज वैली समूह की कंपनियों द्वारा अपराध से अर्जित आय से खरीदा गया था।" ईडी ने इस मामले में अब तक कुल 1,103.61 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की है। रोज वैली समूह की कंपनियों पर "विभिन्न फर्जी और लुभावनी योजनाओं को चलाकर और पुनर्भुगतान में चूक कर जनता से भारी मात्रा में धन इकट्ठा करने" का आरोप है। ईडी ने इससे पूर्व कहा था कि जांच में पाया गया कि पश्चिम बंगाल, ओडिशा, त्रिपुरा, असम, महाराष्ट्र, झारखंड और अन्य राज्यों में कई संपत्तियों को "समूह की विभिन्न कंपनियों के नाम पर अवैध रूप से आम लोगों से एकत्र किए गए धन का उपयोग करके हासिल किया गया था। ईडी ने 2014 में कंपनी, उसके अध्यक्ष गौतम कुंडु और अन्य के खिलाफ धन शोधन का आपराधिक का मामला दर्ज किया था और बाद में उन्हें कोलकाता में गिरफ्तार भी किया। जांच जारी रहने के बावजूद इस मामले में ईडी कई आरोप–पत्र दाखिल कर चुका है।

बतौर बल्लेबाज और अधिक सफलता के लिये कोहली को सभी प्रारूपों में कप्तानी छोड़ देनी चाहिए: अफरीदी

कराची, (वेब वार्ता)। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी को लगता है कि भारतीय कप्तान विराट कोहली को बल्लेबाज के

तौर पर और अधिक बेहतर प्रदर्शन करने के लिये खेल के सभी प्रारूपों में कप्तानी की भूमिका छोड़ देनी चाहिए। 'समा टीवी चैनल' पर बात करते हुए अफरीदी ने कहा कि बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) का रोहित शर्मा को भारतीय टी20 टीम का कप्तान नियुक्त करने का फैसला अच्छा है। कोहली ने भारत के टी20 विश्व कप में अभियान समाप्त होने पर टी20 कप्तानी छोड़ने का फैसला किया था, जिसके बाद बीसीसीआई ने यह फैसला किया। अफरीदी ने कहा, "मुझे लगता है कि वह भारतीय क्रिकेट के लिये अद्भुत ताकत रहा है लेकिन मुझे लगता है कि यह अच्छा होगा, अगर वह अब सभी प्रारूपों में बतौर कप्तान संन्यास लेने का फैसला कर लें। उन्होंने कहा, "मैं एक साल के लिये रोहित के साथ खेला था और वह मजबूत मानसिकता वाला लाजवाब खिलाड़ी है। उसकी सबसे मजबूत चीज है कि जब जरूरी हो तो वह 'रिलैक्स' रह सकता है और जब बहुत जरूरी हो तो वह आक्रामकता भी दिखा सकता है। इस पाकिस्तानी स्टार ने कहा कि रोहित में अच्छे कप्तान के लिये मानसिक मजबूती है और उन्होंने अपनी आईपीएल (इंडियन प्रीमियर लीग) फ्रेंचाइजी मुंबई इंडियंस के लिये यह दिखा भी दिया है। उन्होंने कहा, "वह शीर्ष स्तर का खिलाड़ी है, उनका शॉट चयन शानदार है और खिलाड़ियों के लिये अच्छे नेतृत्वकर्ता के लिये उनके पास मानसिकता भी है। अफरीदी आईपीएल के शुरू होने वाले वर्ष में डेक्कन चार्जर्स में रोहित के साथ खेले थे। कोहली के टी20 कप्तानी छोड़ने के फैसले पर अफरीदी ने कहा कि वह इसकी उम्मीद कर रहे थे। अफरीदी को लगता है कि कोहली को कप्तानी छोड़कर सभी तीनों प्रारूपों में अपनी बल्लेबाजी पर ध्यान लगाना चाहिए और इसका लुत्फ उठाना चाहिए। अफरीदी ने कहा, "मुझे लगता है कि विराट को कप्तानी छोड़कर अपना बचे हुए क्रिकेट का लुत्फ उठाना चाहिए और मुझे लगता है कि उनका अभी काफी क्रिकेट बचा है। वह शीर्ष स्तर के बल्लेबाज हैं और वह दिमाग में किसी अन्य दबाव के बिना 'फ्री' होकर खेल सकते हैं। वह अपने क्रिकेट का आनंद लेंगे। " तैंतीस वर्षीय कोहली ने हाल में आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर की कप्तानी से भी हटने का फैसला किया था। वहीं मुख्य कोच के तौर पर कार्यकाल खत्म कर चुके रवि शास्त्री ने हाल में एक साक्षात्कार में संकेत दिया था कि कोहली वनडे की कप्तानी भी छोड़ सकते हैं और सिर्फ टेस्ट टीम की अगुआई पर ही ध्यान लगायेंगे जो उनका पसंदीदा प्रारूप है। कोहली ने 2019 के अंत से कोई टेस्ट शतक नहीं लगाया है।

नौवें दिन भी नहीं बदले पेट्रोल–डीजल के दाम

नयी दिल्ली,। अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में तेजी

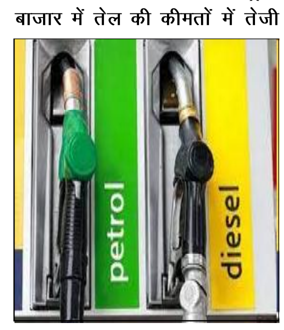

रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर सरकारी तेल विपणन कंपनियों ने आज पेट्रोल और डीजल के कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया, जिससे राजधानी दिल्ली में पेट्रोल और डीजल के दाम लगातार नौवें दिन भी स्थिर रहे। केन्द्र सरकार द्वारा पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में क्रमशः पांच रुपये तथा 10 रुपये प्रति लीटर की कमी करने से देश में इसकी कीमतों में कमी आयी थी। इसके बाद उत्तर प्रदेश, कर्नाटक सहित देश के 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने इन दोनों उत्पादों पर मूल्य वर्धित कर (वैट) में कमी की है। इससे संबंधित राज्यों में इन दोनों पेट्रोलियम उत्पाद की कीमतों में और कमी आयी है। इसका असर आज भी पेट्रोल–डीजल की कीमतों पर बरकरार है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड की कीमत 85 डॉलर प्रति बैरल के आसपास बरकरार है। घरेलू बाजार में शनिवार को नौवें दिन भी पेट्रोल और डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ। राजधानी दिल्ली में देश की सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) के पंप पर पेट्रोल की कीमत 103.87 रुपये प्रति लीटर और डीजल का दाम 86.67 रुपये प्रति लीटर पर टिकी रही। पेट्रोल–डीजल के मूल्यों की रोजाना समीक्षा होती है और उसके आधार पर हर दिन सुबह छह बजे से नयी कीमतें लागू की जाती हैं।

लखीमपुर खीरी की घटना विधानसभा चुनाव में बीजेपी को नुकसान पहुंचाएगी: सर्वे

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश में तीन अक्टूबर को लखीमपुर खीरी हिंसा में नौ लोगों की मौत हो गई थी, जिससे अगले साल राज्य में होने वाले विधानसभा चुनावों में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की चुनावी संभावनाओं को नुकसान होगा। एबीपी–सीवोटर–आईएएनएस 5–स्टेट स्नैप पोल ने यह जानकारी दी। सर्वे के मुताबिक 62 फीसदी मतदाताओं को लगता है कि इस मुद्दे से विधानसभा चुनाव में भगवा पार्टी को नुकसान होगा, जबकि सिर्फ 21.5 फीसदी को लगता है कि इससे बीजेपी को मदद मिलेगी। कुल 16 फीसदी लोगों का मानना है कि इसका चुनाव पर कोई असर नहीं पड़ेगा। 2019 के क्रॉस टेबुलेशन के अनुसार, 48.4 प्रतिशत भाजपा मतदाता, 64 प्रतिशत कांग्रेस मतदाता, 80.6 प्रतिशत समाजवादी पार्टी (सपा) मतदाता, बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के 77.1 प्रतिशत और अन्य राजनीतिक दलों के 68.6 प्रतिशत मतदाताओं का आरोप है कि इस घटना से नुकसान होगा। आने वाले चुनाव में भगवा पार्टी बीजेपी के केवल 28.2 फीसदी, कांग्रेस के 20 फीसदी, सपा और बसपा के 12.9 फीसदी और 14 फीसदी अन्य लोगों को लगता है कि इससे बीजेपी को मदद मिलेगी।बीजेपी के कुल 22.2 फीसदी, कांग्रेस के 16 फीसदी, सपा के 6.5 फीसदी, बसपा के 10 फीसदी और 17.4 फीसदी और अन्य ने कहा कि इससे विधानसभा चुनाव पर कोई असर नहीं पड़ेगा। सर्वेक्षण में यह भी कहा गया है कि हाल ही में यूपी में नौ मेडिकल कॉलेजों के उद्घाटन से योगी सरकार को फायदा होगा, क्योंकि 58.8 प्रतिशत मतदाताओं ने इससे सहमति व्यक्त की, जबकि 48.2 प्रतिशत ने कहा कि वह वर्तमान सरकार को कोई लाभ नहीं देगी। इसी तरह, सर्वेक्षण के अनुसार, 56 प्रतिशत से अधिक लोग राज्य में रिकॉर्ड कोविड टीकाकरण से प्रभावित नहीं हैं, जबकि 44.3 प्रतिशत का मानना है कि इसका मतदाताओं पर प्रभाव पड़ेगा। उत्तर प्रदेश चुनावों में प्रियंका गांधी की सक्रिय भूमिका से क्या कांग्रेस को फायदा होगा, इस पर स्नैप पोल ने संकेत दिया कि 52.8 फीसदी मतदाताओं को लगता है कि कांग्रेस को कोई फायदा नहीं होगा, जबकि 47.2 फीसदी ने हां कहा। सर्वेक्षण राज्य के सभी 403 विधानसभा सीटों में किया गया था, जिनमें से प्रत्येक में नमूना आकार 3,571 था।

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी बुलंदशहर में 'कांग्रेस प्रतिज्ञा सम्मेलन' को करेंगी संबोधित

लखनऊ (वेब वार्ता)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा 14 नवंबर को बुलंदशहर और 15 नवंबर को मुरादाबाद में 'कांग्रेस प्रतिज्ञा सम्मेलन–लक्ष्य 2022' को संबोधित करेंगी। कांग्रेस के उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने कहा कि पिछले तीन वर्षों में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के नेतृत्व में न सिर्फ आम जनता के मुद्दों को पुरजोर तरीके से उठा कर सरकार की जवाबदेही तय की बल्कि संगठन को मजबूत करने का काम भी बड़े स्तर पर किया है। लल्लू ने कहा कि इसी कड़ी में महासचिव पूरे प्रदेश में आयोजित होने जा रहे 'कांग्रेस प्रतिज्ञा सम्मेलन–लक्ष्य 2022' में संगठन के पदाधिकारियों से महत्वपूर्ण विषयों पर बातचीत करेंगी। पहले पदाधिकारी प्रतिज्ञा सम्मेलन का आयोजन बुलंदशहर में 14 नवंबर को किया जा रहा है,वहां आगरा, अलीगढ़, मेरठ मंडल के 14 जिलों से पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे। अगले दिन 15 नवंबर को महासचिव मुरादाबाद में सहारनपुर, मुरादाबाद, बरेली के 12 जिलों के पदाधिकारियों से बातचीत करेंगी।

ब्रिटनी आजाद: न्यायाधीश ने ब्रिटनी स्पीयर्स पर उनके पिता का 'संरक्षण' समाप्त किया

लॉस एंजिलिस, (वेब वार्ता)। लोकप्रिय पॉप गायिका ब्रिटनी स्पीयर्स अब पिता के 'संरक्षण' से आजाद हो गई हैं। लॉस एंजिलिस के एक न्यायाधीश ने गायिका पर लगे उस संरक्षण अधिकार (कंजर्वेटरशिप) को समाप्त कर दिया है, जिसके तहत करीब 14 वर्ष तक वह अपने पिता की निगरानी में थीं और गायिका के पिता ही अपनी बेटी की देखभाल और उसकी धन संपत्ति का प्रबंधन करते थे। न्यायाधीश ब्रेंडा पेन्नी ने कहा, "आज ब्रिटनी जीन स्पीयर्स और उनकी संपत्ति (एस्टेट) पर संरक्षण अधिकार समाप्त किया जाता है।" न्यायाधीश के आदेश के बाद गायिका के प्रशंसक न्यायालय के बाहर इकट्ठा हो गए और उन्होंने खुशी में ब्रिटनी के नाम के नारे लगाए। साथ ही उन्होंने ब्रिटनी के गाने पर थिरकना भी शुरू कर दिया। ब्रिटनी ने ट्वीट किया," हे कृपालु ईश्वर, मैं अपने प्रशंसकों को प्यार करती हूं। मुझे लगता है कि आज मैं पूरा दिन रोने वाली हूं। मेरे जीवन का अब तक का सबसे अच्छा दिन।" उनके वकील मैथ्यू रोजेनगार्ट ने प्रशंसकों और पत्रकारों को बताया कि इस मामले ने संरक्षण अधिकार और अभिभावकता के मामले पर रोशनी डाली। इसके लिए बहुत साहस और गरिमा चाहिए। गौरतलब है कि ब्रिटनी के मानसिक स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों की बात सार्वजनिक होने के बाद उनके पिता ने अपनी बेटी का अस्थायी तौर पर संरक्षण अधिकार लिया था। पिछले करीब 14 वर्षों से ब्रिटनी के पिता अपनी बेटी के व्यक्तिगत, पेशेवर और धन संपत्ति से जुड़े सभी मामलों पर फैसले लेते थे। काफी वक्त बाद ब्रिटनी ने अपने पिता के संरक्षण से मुक्त होने के लिए आवाज उठायी और उनके प्रशंसकों ने भी खुल कर उनका साथ दिया था।

अवध की आवाज हिन्दी दैनिक, प्रकाशक ,मुद्रक व स्वामी,अनिल कुमार सिंह द्वारा स्काई लाइन प्रिन्टर्स,119/23 खन्दारी लेन, लालबाग, लखनऊ उ0प्र0 से मुद्रित तथा डी–97/3 व 7,सेक्टर–7, इन्दिरा नगर,लखनऊ,उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक अनिल कुमार सिंह फोन : 0522–4340954 मो0–7905407289, Email: avadhkiaawaz@gmail.com
R.N.I.- UPHIN/2012/45127
नोट : समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।